प्रेस विज्ञप्ति
28.11.2025

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई आंचलिक कार्यालय ने कॉक्स एंड किंग्स लिमिटेड (सीकेएल), उसके प्रवर्तकों और अन्य के विरुद्ध धन शोधन मामले में वैध दावेदार को संपत्तियाँ सफलतापूर्वक वापस करवाई हैं। सीकेएल धोखाधड़ी में पहचानी गई कुल आपराधिक आय लगभग 4,100 करोड़ रुपये है।

जाँच के दौरान, यह पता चला कि आपराधिक आय में से 1,066 करोड़ रुपये मेसर्स वी होटल्स लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिए गए थे। इसमें से 520.80 करोड़ रुपये बकाया रह गए थे और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत उन्हें कुर्क कर लिया गया था। माननीय न्यायनिर्णयन प्राधिकारण ने उक्त कुर्की की पुष्टि की थी।

बाद में, मेसर्स वी होटल्स लिमिटेड ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के अंतर्गत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया अपनाई, और मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड को सफल समाधान आवेदक (एसआरए) के रूप में अनुमोदित किया गया।

तत्पश्चात, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश (इस निदेशालय द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका में) के अनुपालन में, सफल समाधान आवेदक (एसआरए) ने एसबीआई में ब्याज वाली सावधि जमा के रूप में 520.80 करोड़ रुपये जमा किए, जो कुर्क की गई संपत्तियों के प्रतिस्थापित मूल्य के बराबर है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही में, ईडी ने पीएमएलए की धारा 8(8) और आईबीसी की धारा 32ए को ध्यान में रखते हुए, और इसी तरह के मामलों में अपनाए गए पहले के स्थितियों के अनुरूप, एसआरए को जमा राशि की वापसी के लिए इस शर्त के अधीन अपनी सहमति दी कि एसआरए का अपराध की आय के तत्कालीन प्रबंधन या लाभार्थियों के साथ कोई संबंध नहीं है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने धारा 8(8), पीएमएलए के तहत एसआरए को 520.80 करोड़ रुपये की जमा राशि (संचित ब्याज सहित) बहाल करने का आदेश दिया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि: **"हम न्याय के हितों को सुरक्षित करने के लिए कुर्क की गई संपत्तियों को बहाल करने में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा किए गए ईमानदार प्रयासों के लिए अपनी सराहना दर्ज कराते हैं।"**

निदेशालय अपराध की आय को जब्त करने और धन शोधन गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त मुकदमा चलाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, साथ ही पीएमएलए की धारा 8(8) के अनुसार सही हितधारकों को परिसंपत्तियों की वापसी सुनिश्चित करता है।